केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15			कुल प्राप्तांक शब्दों में		कुल प्राप्तांक अंकों में
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्राः नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
TRIVENI MISHRA(U.M.T.) 9425854172 Reg.No.-006920 Govt.Exce.S.Dindori	रंजीत कुमार सैयाम(उ.मा.शि.) मो.नं.–9669601971 परीक्षक क्रमांक–013749 शा.उ.मा.वि.गौराकन्हारी

②

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 2 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 01 का उत्तर

1\. उत्तर सत्य ।

2 उत्तर सत्य ।

3 उत्तर असत्य ।

4 उत्तर सत्य ।

5 उत्तर असत्य ।

6 उत्तर सत्य ।

3

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 3 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 02 का उत्तर

(i) जिठौत - जेठ का पुत्र ।

(ii) बिम्ब - शब्द चित्र ।

(iii) जूस - केशव प्रथम वीर ।

(iv) अतीत में दबे पाँव - यात्रा वृत्तांत ।

(v) फ्रीलांसर पत्रकार - अलग-अलग अखबारों में लेखन ।

(vi) समाचार लेखन की शैली - उल्टा पिरामिड ।

(vii) कॉलेज ऑफ प्रीस्टस - धार्मिक अनुष्ठान का स्थान ।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 03 का उत्तर

(1)
उत्तर => समाचार लेखन के छह ककार - कब, कौन, कहाँ, कैसे, क्यों, क्या हैं।

2.
उत्तर => गद्य की चार प्रमुख विधाओं के नाम निम्नलिखित हैं-
(i) उपन्यास।
(ii) नाटक।
(iii) कहानी।
(iv) निबन्ध।

3.
उत्तर- रघुवीर सहाय दूसरे तारसप्तक के प्रमुख कवि हैं।

4.
उत्तर => सिंधु सभ्यता की ईंटो की बनावट का अनुपात 1:2:4 था।

5.
उत्तर => शब्द - ~~शब्द~~शक्ति- शब्द एवं अर्थ के ~~सम्बन्ध~~ [illegible] शब्द शक्ति कहते हैं।

5

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 5 के अंक | कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(vi)
उत्तर- "आम के आम गुठलियों के दाम का अर्थ है- लाभ ही लाभ होना।

(vii)
उत्तर- दुर्मिल सवैया छंद का दूसरा नाम चन्द्रकला [illegible]

B S E

प्रश्न क्रमांक 04 का उत्तर

(i)
उत्तर - निशा निमंत्रण।

(ii)
उत्तर - कैमरे में बंद अपाहिज।

(iii)
उत्तर - आठ।

(iv)
उत्तर - भी।

(v)
उत्तर - नीले शंख [illegible]।

(vi)
उत्तर - संस्मरण।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 05 का उत्तर

(i)
उत्तर - अवधी है ।

(ii)
उत्तर - अखबार की ।

(iii)
उत्तर - पतंग ।

(iv)
उत्तर - स्मृति की रेखाएँ ।

(v)
उत्तर - आलम्बन

(vi)
उत्तर - आनन्द रतन यादव ।

BSE

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 7 के अंक =

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 06 का उत्तर (~~अथवा~~)

(i)
उत्तर- महादेवी वर्मा विदुषी महिला थी।

(ii)
उत्तर- श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं।

प्रश्न क्रमांक 07 का उत्तर

7.
उत्तर- फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज- वह खबर या सूचना जो कम-से-कम समय में तत्काल दर्शकों तक ~~पु~~ पहुँचायी जाती है, ब्रेकिंग न्यूज कहलाती है।

⑧ [ ] + [ ] = [ ]

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 08 का उत्तर

राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा में दो अन्तर निम्नलिखित है-

राष्ट्रभाषा	राजभाषा
(i) राष्ट्रभाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है।	राजभाषा का क्षेत्र सीमित होता है।
(ii) राष्ट्रभाषा को नेशनल लैंग्वेज भी कहा जाता है।	जबकि राजभाषा को ऑफिशियल लैंग्वेज कहते है।

BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 10 का उत्तर " अथवा "

उत्तर छायावाद के प्रमुख आधार स्तम्भ कवियों के नाम एवं उनकी रचना निम्नलिखित है-

कवि	रचनाएँ-
(i) जयशंकर प्रसाद -	कामायनी।
(ii) सुमित्रानन्दन पंत -	वीणा।
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला -	परिमल।
(iv) महादेवी वर्मा -	यामा।

प्रश्न क्रमांक 12 का उत्तर

नाटक एवं एकांकी मे कोई दो अन्तर निम्नलिखित है-

नाटक	एकांकी
नाटक का आकार बड़ा होता है।	एकांकी का आकार छोटा होता है।
(ii) नाटक में अनेक अंक होते है।	एकांकी मे एक अंक होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 14 का उत्तर "अथवा"

विरोधाभास अलंकार- काव्य में जहाँ वास्तविक विरोध न होने पर भी विरोध का आभास हो, वहाँ विरोधाभास अलंकार होता है।

उदाहरण- या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहीं कोय।
ज्यों-ज्यों बूढ़े श्याम रंग, त्यों-त्यों उज्जवल होय।

प्रश्न क्रमांक 15 का उत्तर

स्थायी भाव एवं संचारी भाव में निम्नलिखित अन्तर है-

स्थायी भाव	संचारी भाव
(i) वे भाव जो आश्रय के हृदय में स्थायी रूप से निवास करते है, स्थायी भाव कहलाते है।	वे भाव जो आश्रय के हृदय में कुछ समय के लिये जागकर पानी के बुलबुले की तरह स्वयं शान्त हो जाते है, संचारी भाव कहलाते है।
(ii) इनकी संख्या दस होती है।	इनकी संख्या तेंतीस होती है।

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर "अथवा"

जैनेन्द्र कुमार

(i) दो रचनाएँ - (i) त्यागपत्र ।
(ii)

प्रश्न क्रमांक 19 का उत्तर "अथवा"

धर्मवीर भारती

(i) दो रचनाएँ - (i) सूरज का सातवाँ घोड़ा ।
(ii) गुनाहों का देवता ।

(ii) भाषा-शैली - आपकी भाषा सरल, सहज, स्पष्ट एवं खड़ी बोली है। आपकी रचनाओं में तत्सम शब्दों का प्रयोग भी देखने को मिलता है। आपने अपनी रचनाओं में भाषा को बोधगम्य बनाने के लिए मुहावरे एवं लोकोक्तियों का भी प्रयोग किये है।

आपकी रचनाओं में विवरणात्मक, विचारात्मक, व्यंग्यात्मक शैली का प्रयोग देखने को मिलता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

साहित्य में स्थान- धर्मवीर भारती जी का साहित्य में अद्वितीय स्थान है। आपकी रचना "सूरज का सातवाँ घोड़ा" पर फिल्म भी बनायी जा चुकी है। आपके द्वारा रचित "गुनाहों का देवता" एक सदाबहार रचना है जो हिन्दी साहित्य में ~~बिकने~~ सर्वाधिक बिकने वाली पाँच पुस्तकों में से एक है। अपनी अद्वितीय रचनाओं के लिए धर्मवीर भारती जी सदैव स्मरण किये जायेंगे।

BSE

प्रश्न क्रमांक 09 का उत्तर

उत्तर⇒ 'छोटा मेरा खेत' कविता के सन्दर्भ में अंधड़ का आशय भावात्मक आंधी से है जो किसी व्यक्ति या वस्तु को देखकर उत्पन्न होती है।
बीज का आशय है- विचार ~~क्ष~~ या अभिव्यक्ति है।
जब ~~लेख~~ कवि के मन में किसी व्यक्ति या वस्तु को देखकर विचार आता है तो वह शब्द रूपी बीज को कल्पना की खाद देकर साहित्य रचना कर देता है।

13 + =
योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 13 के अंक · कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 13 का उत्तर "अथवा"

उत्तर- मुअनजो-दड़ो को देखते-देखते लेखक को कुलधरा गॉंव की याद आ गई। यह राजस्थान के जैसलमेर के पास एक पीले पत्थर वाला गॉंव है। सौ-डेढ़-सौ साल पहले राजा से तकरार हो जाने पर गॉंव का प्रत्येक स्वाभिमानी व्यक्ति रातोंरात गॉंव छोड़कर चले गये। अब वहॉं के घर खंडहर ही बचे है पर, ढहे नहीं हैं। अतः मुअनजो-दड़ो को देखते-देखते लेखक को कुलधरा गॉंव की याद आ गई।

प्रश्न क्रमांक 07 का उत्तर

07 उत्तर⇒ ब्रेकिंग न्यूज या फ्लैश- वह खबर या सूचना जो कम-से-कम शब्दों में तत्काल दर्शको तक पहुॅंचायी जाती है, फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज कहलाती हैं।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 17 का उत्तर

(i)
उत्तर⇒ शीर्षक- मानव श्रम ।

(ii)
उत्तर- मनुष्य और उसका शरीर विधाता की अनुपम रचना है।

(iii)
उत्तर⇒ मनुष्य के दुर्लभ तन को यदि हम आलस्य, प्रसाद अथवा घटिया कामों में गँवा देते हैं, तो ~~को~~ इसे विधाता के प्रति अन्याय कहा गया है।

B S E

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल योग
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक २० का उत्तर

प्रति,
श्रीमान मुख्य सचिव महोदय जी,
माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल,
मध्यप्रदेश ।

विषय- अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगवाने हेतु आवेदन पत्र ।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने वर्ष 2022-23 में हाईस्कूल की परीक्षा प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण किया हूँ। जिसका प्रमाण पत्र मुझे प्राप्त हो गया था किन्तु दुर्भाग्यवश वह कहीं खो गया है। मुझे आगे की पढ़ाई करने हेतु महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए इसकी आवश्यकता है।

अतः महोदय जी से निवेदन है कि मुझे मेरी अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें ताकि मैं महाविद्यालय में प्रवेश कर आगे की पढ़ाई कर सकूँ।

मेरी जानकारी निम्नानुसार है-

नाम - अ, ब, स

पिताजी का नाम - क, ख, ग

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

अनुक्रमांक - 237636812
विद्यालय - ज्ञानदीप उच्च. माध्य. विद्यालय अमरवाड़ा ।
परीक्षा केन्द्र - कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरवाड़ा ।
मोबाइल नम्बर - 909842XXXX
डाक संलग्न - माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल, ₹250 ।
धन्यवाद

भवदीय
अ, ब, स

B S E

प्रश्न क्रमांक 06 का उत्तर "अथवा"

(i)
उत्तर => वह भोजन करता है और विद्यालय जाता है।

(ii)
उत्तर => गणित का प्रश्न पत्र सरल नहीं है।

मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 22 का उत्तर "अथवा"

सन्दर्भ- प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक आरोह भाग - 2 के "रुबाइयाँ" नामक पाठ से अवतरित है। इसके कवि फ़िराक़ गोरखपुरी है।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने माँ एवं उसके बच्चे के बीच स्नेह के का वर्णन किया है।

भावार्थ- कवि कहता है कि घर के आँगन में माँ अपने बच्चे को गोद में ~~लेकर~~ लेकर खड़ी है। माँ, बच्चे को हवा में झुला - झुला कर खिलाती है अर्थात स्नेह करती है और हवा में झूलकर खेलते - खेलते बच्चे की हँसी चारों दिशाओं में गूँज उठती है अर्थात बच्चा खिलखिलाकर हँस देता है।

विशेष -
(i) उर्दू - फ़ारसी की एक छंद शैली है।
(ii) पंक्तियों में वात्सल्य रस विद्यमान है।
(iii) बच्चे की तुलना चाँद के टुकड़े से की गई है।
(iv) पहली, दूसरी और चौथी ~~चरण~~ पंक्ति में तुकान्त है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 23 का उत्तर

सन्दर्भ- प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक आरोह भाग-2 के "पहलवान की ढोलक" से लिया गया है। इसके लेखक "फणीश्वरनाथ रेणु" जी है।

प्रसंग- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ढोलक की संजीवनी शक्ति के बारे में बताते हैं।

व्याख्या- लेखक कहते है कि रात की विभीषिका भरी रात को सिर्फ ढोलक ही चुनौती दे रही है जिसे पहलवान बजाता है। पहलवान शाम से लेकर सुबह तक जिस भी ख्याल से ढोलक बजाता हो वह गाँव के प्राणियों ~~क~~ में संजीवनी शक्ति ही भरती है। गाँव के बूढ़े, बच्चे और जवान लोगों में दंगल का दृश्य उत्पन्न हो जाता है अर्थात् वे बीमारी रूपी शत्रु से लड़ने के लिए तत्पर हो जाते हैं। उनकी नसों मे बिजली दौड़ने लगती है तथा वह खुशी-खुशी मृत्यु का सामना करते हैं।

BSE

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

विशेष- (i) तत्सम शब्दों से युक्त खड़ी बोली है।
(ii) लेखक की संजीवनी शक्ति के बारे में बताया गया है।
(iii) लेखक ने गद्यांश में "गागर में सागर" भरा है।
~~(iv)~~

प्रश्न क्रमांक 18 का उत्तर "अथवा"

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(i) दो रचनाएँ - (i) परिमल ।
(ii) तुलसीदास ।
(iii) गीतिका ।

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष -

भावपक्ष - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला छायावाद के प्रमुख कवि हैं। आपकी रचनाओं में प्रकृति का सजीव चित्रण देखने को मिलता है। आपकी रचनाओं में शोषित वर्ग के प्रति सहानुभूति एवं शोषकों के प्रति विद्रोह देखने को भी मिलता है। साथ-ही-साथ कहीं-कहीं प्रेम और सौन्दर्य का वर्णन भी देखने को मिलता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

कलापक्ष- आपकी भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। आपकी रचनाओं में रसों का स्वाभाविक प्रयोग है और अलंकार योजना उच्च कोटि की है। आपके काव्य में मुख्यतः मुक्तक छन्द का प्रयोग हुआ है।

(iii) साहित्य में स्थान - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी छायावाद के आधार स्तम्भ कवि हैं लेकिन इन्हे प्रगतिवाद का प्रथम कवि भी माना जाता है। हिन्दी साहित्य में अपनी अद्वितीय रचनाओं के लिए निराला जी सदैव स्मरण किये जायेंगे।

प्रश्न क्रमांक 11 का उत्तर

सेवक धर्म में भक्तिन की तुलना हनुमानजी से की गई है क्योकि जिस प्रकार हनुमान जी प्रभु श्रीराम से दूर नहीं रह पाते उसी प्रकार भक्तिन भी महादेवी वर्मा से दूर नहीं रह पाती। दूसरा कारण जिस प्रकार हनुमान जी प्रत्येक कार्य में श्रीरामजी की मदद करते थे उसी प्रकार भक्तिन भी महादेवी वर्मा की मदद करती। भक्तिन को जब महादेवी वर्मा कहीं भी साथ ले जाने से मना करतीं तो वह अपमानित महसूस करती। वह हमेशा महादेवी वर्मा के साथ

B S E

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 21 के अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

YEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESI

प्रश्न क्र.

रहना चाहती हैं।

प्रश्न क्रमांक 21 का उत्तर

(i) वर्तमान युग एवं इंटरनेट

प्रस्तावना
रूपरेखा-

(i) प्रस्तावना -
(ii) इंटरनेट के विभिन्न उपयोग -
(iii) इंटरनेट के दुष्परिणाम -
(iv) उपसंहार -

BSE

i) प्रस्तावना - इंटरनेट एक औजार है जिसके द्वारा मनुष्य सूचनाओं का आदान प्रदान कर सकता है। इंटरनेट एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा बहुत ही कम समय में सम्पूर्ण विश्व की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह एक बहुत ही सस्ता माध्यम है जो एक कम्प्यूटर को दूसरे कम्प्यूटर से जोड़ता है। यह एक वर्ल्ड वाइड वेब है जो पूरे विश्व को जोड़ता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ii) इंटरनेट के उपयोग- इंटरनेट के विभिन्न उपयोग है-

★ सूचनाओं का आदान प्रदान- इंटरनेट के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर सूचनाओं का आदान प्रदान बहुत ही सरलता से होता हैं।

★ कठिन अंकगणितीय गणना- इंटरनेट के माध्यम से हम बड़ी कम्प्यूटर की सहायता से बड़ी-से-बड़ी संख्याओं की गणना बिना त्रुटि के कर सकते हैं।

★ विश्व की जानकारी प्राप्त करना- इंटरनेट के द्वारा हम कुछ ही समय में सम्पूर्ण विश्व की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि जैसे- कौन सा स्थान घूमने के लिए अच्छा है, कहाँ मनोरंजन के अच्छे साधन हैं? आदि। इंटरनेट के माध्यम से हम दूसरे देशों से सम्पर्क कर सकते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(iii) इंटरनेट के दुष्परिणाम - ~~जहाँ~~ वर्तमान समय में जहाँ इंटरनेट के के बहुत से लाभ है वहीं इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं। यह आतंकवाद फैलाने का माध्यम भी हैं। इसके द्वारा बैंक खाते से पैसे चोरी भी किये जा सकते हैं। यह अश्लीलता भी फैलाता है जिससे बच्चों के मन ~~में~~ मस्तिष्क में बुरा प्रभाव भी पड़ता हैं। इंटरनेट ने जहाँ मनुष्य को सुविधा प्रदान किया वहीं कुछ हानिकारक ~~दुष्~~ प्रभाव भी देखने को मिले।

(iv) उपसंहार - इंटरनेट ने जहाँ मानव जीवन को विभिन्न सुविधा प्रदान किया है वहीं कुछ हानिकारक प्रभाव भी देखने को मिलता है। अतः हमे इंटरनेट का प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए। वर्तमान समय में इंटरनेट के माध्यम से अच्छे कार्य किये जा सकते है अतः हमें इसका दुरुपयोग न करके सदुपयोग करना चाहिए।

BSE

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर अथवा

~~पिता - बेटा पढ़ाई कैसी चल~~

प्रश्न क्रमांक 16 का उत्तर "अथवा"

पिता और पुत्र के मध्य संवाद

पिताजी - ~~पिता~~ पुत्र पढ़ाई कैसी चल रही है। (हँसते हुये)

पुत्र - ठीक-ठाक पिता जी। (विनम्र भाव से)

(पूछते हुए)
पिता - कोई परेशानी? (~~पूछते~~

(जवाब देते हुए)
पुत्र - नही पिता जी।

(प्रश्न करते हुए)
पिता - वार्षिक परीक्षा कब से है?

(जवाब देते हुए)
पुत्र - फरवरी में पिता जी।

पिता - अच्छे से पढ़ाई करो।

पुत्र - जी पिता जी।

BSE